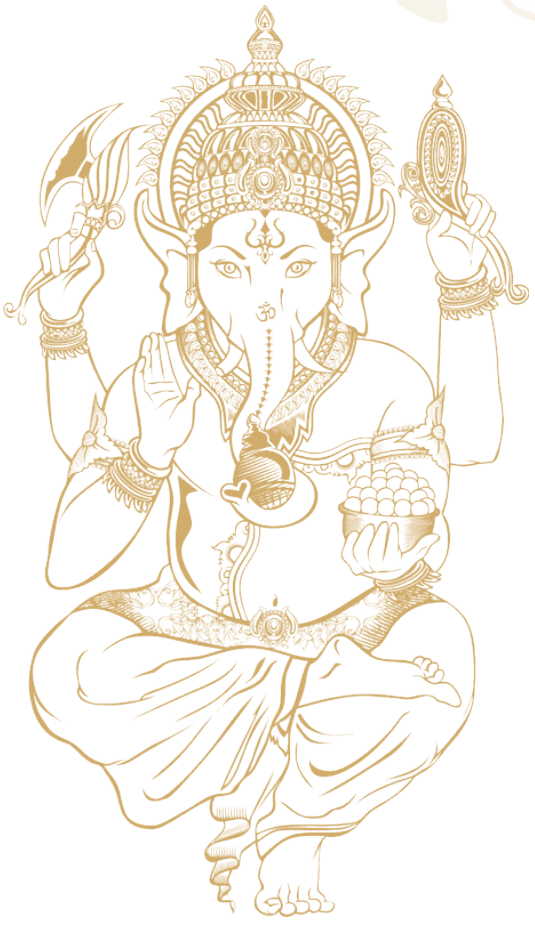

Mr.labhansh

Ms.anugya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120578802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1998	जन्म तिथि	13/05/1999
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:30:00	जन्म समय	21:00:00 घंटे
घटी 29:39:36	जन्म समय(घटी)	38:30:39 घटी
India	देश	India
Bhusawar	स्थान	Alwar
27:02:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:09	सूर्योदय	05:36:40
19:17:27	सूर्यास्त	19:03:45
23:50:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:40

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 6मा 6दि

चन्द्र

22/01/2025
22/01/2035

चन्द्र	22/11/2025
मंगल	23/06/2026
राहु	23/12/2027
गुरु	23/04/2029
शनि	22/11/2030
बुध	23/04/2032
केतु	22/11/2032
शुक्र	23/07/2034
सूर्य	22/01/2035

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
05:34:52	धनु	लग्न	वृश्चि	24:27:59
00:52:40	कर्क	सूर्य	मेष	28:35:21
12:20:56	मेष	चंद्र	मेष	02:07:25
13:38:51	मिथु	मंगल व	तुला	03:42:25
27:33:11	कर्क	बुध	मेष	14:57:22
04:13:28	मीन	गुरु	मीन	27:13:11
03:35:42	मिथु	शुक्र	मिथु	11:39:13
09:03:31	मेष	शनि	मेष	14:57:55
08:14:48	सिंह व	राहु व	कर्क	23:15:28
08:14:48	कुंभ व	केतु व	मक	23:15:28
17:35:23	मक व	हर्ष	मक	22:55:14
07:06:32	मक व	नेप व	मक	10:30:43
11:41:44	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:45:01

विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 10मा 18दि

सूर्य

01/04/2025
01/04/2031

सूर्य	19/07/2025
चन्द्र	18/01/2026
मंगल	26/05/2026
राहु	20/04/2027
गुरु	06/02/2028
शनि	18/01/2029
बुध	24/11/2029
केतु	01/04/2030
शुक्र	01/04/2031

लग्न-चलित

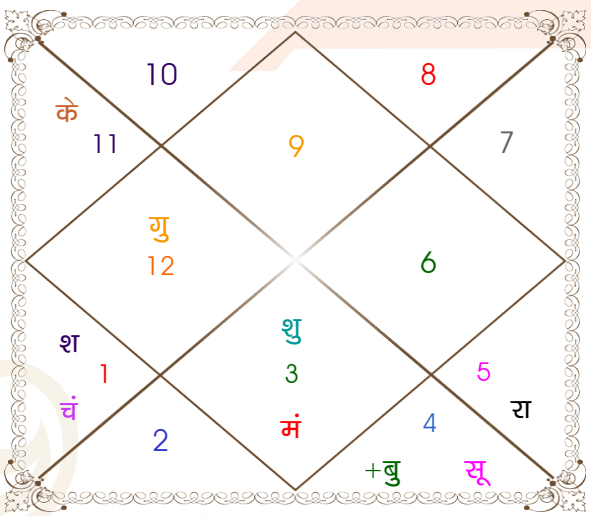

लग्न-चलित

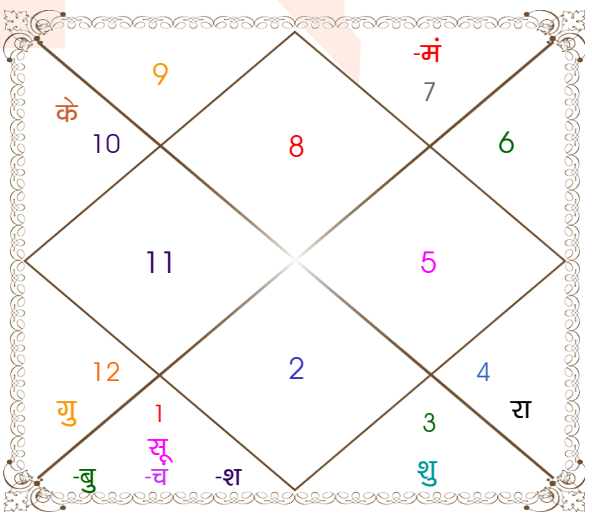

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.labhansh का वर्ग मृग है तथा डेण्दनहलं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.labhansh और डेण्दनहलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.labhansh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

डेण्दनहलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्दनहलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्दनहलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.labhansh तथा डेण्दनहलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।